# प्रवचन

परमहंस श्री हंसानंद जी सरस्वती दण्डी स्वामी जी

विषय तालिका

CD # 13 * SEP 2007 *

| SN | Title | Min | Coding | | | Contents | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | Voice -80 | 29 | | | | छा०उ०-सातवॉ अ० ⊕ नारद - सनत कुमार सम्वाद | |
| 2 | Voice -81 | 39 | | | | भ० के ज्ञान का साधन त्रि०वेद/कर्म उपासना ज्ञान ⊕ श्रवण मनन निधि० द्वारा आवरण नाश | |
| 3 | Voice -82 | 31 | | | | त्रि०वेद द्वारा तीनों मल दोषों का नाश ⊕ फिर हृदय गुहा में भ० के नि०नि० स्वरूप दर्शन | |
| 4 | Voice -83 | *27* | ⊕ | ⊕ | | त्रि०वेद द्वारा तीनों मल दोषों का नाश ⊕ संसार का कारण जड़ मन-इन्द्रियॉ ⊕ महावाक्य | |
| 5 | Voice -84 | 33 | | | | अर्जुन का विषाद योग | |
| 6 | Voice -85 | 40 | | | | त्रि०वेद/कर्म उपासना ज्ञान ⊕ भक्ति के ३ प्रकार-साधन,अभ्यास,परिपक्व भक्ति - मैं ब्रह्म हूँ | |
| 7 | Voice -86 | *33* | ⊕ | ⊕ | ⊕ | भ० राम-ब्रह्म सीता-माया जगत के माता-पिता हैं ⊕ द्रष्टा ब्रह्म सत् व दृश्य जगत माया है | |
| 8 | Voice -87 | 28 | ⊕ | ⊕ | ⊕ | नवधा भक्ति ⊕ १-५ | 1 |
| 9 | Voice -88 | *34* | ⊕ | ⊕ | ⊕ | | |
| 10 | Voice -89 | 32 | ⊕ | ⊕ | ⊕ | नवधा भक्ति ⊕ ५-६ | 2 |
| 11 | Voice -90 | 35 | ⊕ | | | कृपा - १ :: चार कृपाऐं → १. ईश्वरकृपा २. गुरुकृपा ३. वेदकृपा ४. आत्मकृपा | 1 |
| 12 | Voice -91 | 22 | ⊕ | ⊕ | ⊕ | नवधा भक्ति ⊕ ७अ | 3 |
| 13 | Voice -92 | 32 | ⊕ | ⊕ | ⊕ | नवधा भक्ति ⊕ ७ब | 4 |
| 14 | Voice -93 | 20 | ⊕ | ⊕ | ⊕ | नवधा भक्ति ⊕ ७स | 5 |
| 15 | Voice -94 | 42 | ⊕ | ⊕ | ⊕ | पुरुष सत् ज्ञानरूप द्रष्टा व प्रकृति/माया असत जड़ दृश्य है ⊕ दृग ब्रह्म दृश्य मायेति सर्व वेदान्त निर्णय. | Imp |
| 16 | Voice -95 | *30* | ⊕ | ⊕ | ⊕ | ईश्वर जगत का निमित्तोपादान कारण है ⊕ | |